सामाजिक विकास में व्यवसाय की भूमिका

Role of business in social development

प्रत्येक मनुष्य की इच्छा व इच्छा अलग-अलग होती है कुछ व्यक्तियों की वस्तुओं के प्रति माँग अन्य लोगों की तुलना में अधिक होती है तो कुछ व्यक्तियों की वस्तुओं के प्रति माँग अन्य लोगों की तुलना में कम होती है वस्तुओं एवं सेवाओं की माँग सामाजिक विकास तथा लोगों की जीवन शैली से जुड़ी है। अल्प विकसित देशों में माँग जीवन से सम्बन्धित अनिवार्य वस्तुओं से सम्बन्धित होती है तो विकसित देशों में आराम-पसन्द वाली चीजों से जुड़ी होती है। व्यवसाय सामाजिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। यह विकास के लिए धन अर्जित करता है रोजगार के अवसर प्रदान कर जीवन के साधन जुटाता है लोगों को प्रत्यक्ष रूप से केवल रोजगार अवसर ही प्राप्त नहीं होते बल्कि उन्हें अन्य कई अवसर अप्रत्यक्ष रूप से मिलते हैं। लोग व्यवसाय से उत्पन्न सेवाओं पर आश्रित होते हैं। व्यवसाय की प्रगति के साथ समाज के उच्च जीवन स्तर का सम्बन्ध होता है। यदि उच्च किस्म की वस्तुएँ उपलब्ध होंगी तो समाज नवीन उपयोगों को आयोजित होगा।

इस प्रकार विकास तथा व्यवसाय आपस में परस्पर, निर्भर रहते हैं दोनों एक दूसरे की प्रगति में सहायक हैं। वस्तुओं की माँग बढ़ने से उत्पादन स्तर में वृद्धि होती है इसी प्रकार व्यवसाय का विकास सामाजिक स्तर में सुधार तथा लोगों के जीवन स्तर को ऊँचा करता है। सामाजिक विकास के लिए व्यवसाय का विकास आवश्यक होता है। इसका विकास निम्नलिखित होता है।

(i) बड़े स्तरीय उत्पादन (Large scale production) :- मनुष्य की

माँग का कोई अन्त नहीं होता तथा यह माँग ही निरन्तर नयी-नयी माँगों को पैदा कर देती है। माँग की इसी पूर्ति [illegible] होना ही बड़े उत्पादन के स्तर से [illegible] विकास के विभिन्न चरणों से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार ने स्थानीय एवं राष्ट्रीय व्यापार का स्थान ले लिया है। विश्व बाजार के लिए कई राष्ट्रीय कम्पनियाँ विश्व भर के उपभोक्ताओं के लिए माल का उत्पादन करती हैं। विश्व [illegible] उत्पादन तथा वितरण की प्रकृति इस प्रकार पर [illegible] की स्थिति ने ही उत्पादन तथा वितरण कम लागत पर बड़े स्तरीय उत्पादन निरन्तर है। ने बचतों के [illegible]

(ii) विज्ञापन की प्रगति (Growth of Advertisement):- उत्पादक से

उत्पादक से उत्पादक तथा उपभोक्ताओं के बीच दूरी बढ़ती ही जा रही है के बीच की दूरी समाप्त करने के लिए विज्ञापन को लागू करने की आवश्यकता पड़ती है विज्ञापन एक ऐसा विशेष कार्य माना जाता है जो उत्पादक तथा उपभोक्ता दोनों के ही हित में करने वाला है जिसके कारण से उपभोक्ताओं को माल की जानकारी समय पर बिना कठिनाई के हो जाती है इससे माल की बिक्री निरंतर हुआ ही करता अन्यथा माल उत्पादक तक नहीं पहुँच पाता।

(iii) जीवन स्तर में सुधार (Improvement in standard of Living):-

व्यवसाय का विकास सामाजिक जीवन स्तर में सुधार में सहायक हुआ है माल का अधिक उत्पादन होने से अधिक उपभोग तथा बेहतर जीवन स्तर। व्यवसाय के विकास से रोजगार अवसरों में बढ़ोतरी तथा समाज की क्रय शक्ति में सुधार आता है।

(iv) मशीनीकरण तथा प्रमापीकरण (Mechanisation and Standardisation)

व्यवसाय के विकास ने वस्तुओं का मशीनीकरण तथा प्रमापीकरण कर दिया है मशीनीकरण से कार्य विधियों में सुधार आया है तथा इसे बेहतर बना दिया है निपुण कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है कार्य स्थिति तथा विधियों में गुणात्मक सुधार आता है कर्मचारियों के वेतन में सुधार आया है माल के स्तर में सुधार हुआ है एक ओर कार्य स्थिति में गुणात्मक सुधार आता है तो दूसरी ओर बाजार में माल की किस्म में सुधार आया है, जिससे अंततः सामाजिक जीवन के सुधार में महत्वपूर्ण भागीदारी।

(v) आर्थिक व्यवस्था सम्बन्धित ढाँचे की सुविधाएँ (Infrastructural facilities):-

व्यवसाय के विकास के लिए आर्थिक व्यवस्था सम्बन्धित

क्षेत्र में हिस्सार लाभ आवश्यक होता है जिसके तहत आर्थिक सुविधाएँ जैसे कि सड़कें, रेल, यातायात के अन्य साधन, संचार एवं तकनीकी शिक्षा, अच्छी स्वास्थ्य का प्रबंध करने से सामाजिक की भांति में सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं तो केवल पर्यटक ही लाभ होता बल्कि समाज विकास ही इसके उपयोग होता है।

(vi) सरकारी आय में वृद्धि (Increase in Government Income):- पर्यटन का विकास के साथ-साथ राज्य के सरकारी आय अधिक अर्जित होती है जिससे समाज की भलाई हेतु अधिक धन खर्च कर सकती है अतः पर्यटन अप्रत्यक्ष रूप से समाज के प्रत्येक वर्ग को केवल तथा उनका जनता व्यवस्था में हिस्सा लाभ में सहायक होती है।

(vii) अधिक रोजगार ~~[illegible]~~ अवसर उत्पन्न करना (Creating Employment opportunities):-

पर्यटन रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करने का आधार भी लोगों को व्यापारियों को कम करने के अवसर के साथ साथ अप्रत्यक्ष रूप से भी रोजगार अवसर प्राप्त होते हैं पर्यटन की तरक्की के फलस्वरूप आवास, होटल, बैंकिंग, इत्यादि क्षेत्र में भी विकास होता है।